वाणिज्य विभाग

अध्ययन मण्डल बैठक दिनांक - 26-09-2014

आज दिनांक 26-09-2014 को वाणिज्य संकाय की अध्ययन मण्डल की बैठक डॉ. रतन सूर्यवंशी विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थिति निम्नानुसार रही —

1. डॉ. रतन सूर्यवंशी — अध्यक्ष [signature]

2. डॉ. आर.एन. वर्मा — सदस्य [signature]

3. डॉ. प्रवीण ओझा
सदस्य वि.वि. द्वारा मनोनीत
भगवत सहाय महाविद्यालय
ग्वालियर
[signature] 26.9.14

4. डॉ. हरीश अग्रवाल
सदस्य विद्या परिषद द्वारा मनोनीत,
शासकीय के.आर.जी. महाविद्यालय
ग्वालियर
[signature]

5. डॉ. एम.डी. सोमानी
सदस्य विद्या परिषद द्वारा मनोनीत
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महू जिला इन्दौर
[signature] 26/09/2014

6. डॉ. राजीव शर्मा [signature] 7. डॉ. स्वाति सक्सेना [signature]

बैठक की कार्यवाही का विवरण निम्न प्रकार है —

1. सर्वप्रथम गतवर्ष की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई।
2. निर्णय लिया गया कि स्नातक प्रथम सेमेस्टर से षष्ठम सेमेस्टर तक मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा

विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम अपनाया जाए।
वैसे भी शासन के निर्देशानुसार एकीकृत पाठ्यक्रम ही अपनाया जाता है।
(3) निर्णय लिया गया कि स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा निर्धारित — पाठ्यक्रम मान्य किए जाएँ।
(4) निर्णय लिया गया कि सी.सी.ई. लिखित परीक्षा अथवा गृह कार्य आवंटन के माध्यम से सम्पन्न कराए जाएँ। यथा सम्भव लिखित परीक्षा का सुझाव दिया गया।
(5) संगोष्ठी, परिचर्चा एवं समसामयिक अकादमिक गतिविधियों के प्रस्तावों पर विचार करते हुए निर्णय लिया गया कि विभाग में कार्यशाला आदि का आयोजन किया जाता रहे ताकि प्राध्यापक एवं विद्यार्थी विषय में अद्यतन बने रहें।
(6) सत्र 2014-15 की विभिन्न परीक्षाओं हेतु परीक्षकों के पेनल तैयार किए जाने हेतु विभागाध्यक्ष को अधिकृत करने का निर्णय लिया गया।
(7) अन्य कोई विषय न होने से धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक समाप्त घोषित की गई।

Scanned with CamScanner

अध्ययन मंडल 04/09/2015

बैठक दि० 04/09/15

आज दिनांक 04/09/15 को स्वशासी योजनान्तर्गत गठित अध्ययन मंडल की बैठक डॉ. रतन सूर्यवंशी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित निम्न प्रकार रहे :-

① डॉ. भूपेन्द्र शुक्ला — [signature] 4/9/15

डॉ. रतन सूर्यवंशी — [signature]

डॉ. आर.एन. वर्मा — [signature]

प्रो. रामविलास [illegible] — Ramvilas

बैठक की कार्यवाही का विवरण निम्न प्रकार है :-

① सर्व प्रथम उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया जाकर विगत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गयी।

(2) बिंदु क्र० 2 के सम्बंध में सिद्धांततः नि[illegible] किया गया कि विगत वर्षों की भांति स्नातक स्तर पर शासन द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम लागू किए जायें तथा स्नातकोत्तर स्तर पर विश्ववि[illegible] के पाठ्यक्रमों को भी अपनाया जाए।

(3) बिंदु क्र० 3 के सम्बंध में निर्णय लिया गया कि सीसीई विगत वर्ष की भी भांति करवाये जा सकते हैं फिर भी सहायक निर्[illegible]

Scanned with CamScanner

किये जाने हेतु विभागाध्यक्ष को अधिकृत किया गया।

(4) बिंदु क्र० 04 के सम्बन्ध में निर्णय किया गया कि वाणिज्य संकाय के अंतर्गत अकादमिक गतिविधियाँ यथा संगोष्ठी, परिचर्चा, व्याख्यानमाला आदि का आयोजन निरंतर होता रहे।

(5) बिंदु क्र० 05 के सम्बन्ध में परीक्षक पैनल हेतु विभागाध्यक्ष को अधिकृत किया गया।

(6) बिंदु क्र० 06 के सम्बन्ध में अध्यक्ष की अनुमति से निर्णय लिया गया कि छात्रों की जागरूकता हेतु स्वरोजगार व्याख्यानमाला भी आयोजित कराई जाये।

Scanned with CamScanner

बैठक
अध्ययन मंडल
दि० 24/09/2016

आज दि० 24/09/16 को स्वशासी [illegible] गठित वाणिज्य अध्ययन मंडल की बैठक ~~विभाग~~ विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थिति निम्नानुसार रही-

1. डॉ. रतन सूर्यवंशी
   प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

2. डॉ. बी. एस. [illegible] 24.09.16
   सदस्य

3. डॉ. आर. एन. शर्मा [illegible] 24/9/2016
   सदस्य

4. डॉ. राम मिलन पटेल [illegible] 24/09/16
   सदस्य

5. डॉ. प्रभा यादव [illegible] 24/09/2016

6. श्री [illegible] 24/09/2016

बैठक की कार्यवाही का विवरण इस प्रकार है-

1. सर्व प्रथम [illegible] महापुरुषों का [illegible] करते हुए बैठक को प्रारंभ करते हुए औपचारिक [illegible] प्रारंभ की गयी।

2. विगत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई तथा [illegible] प्रदान किया गया।

10/11

3. [illegible]

4. [illegible]

5. [illegible]

6. [illegible]

7. [illegible]

[illegible]

वाणिज्य विभाग

अध्ययन मण्डल बैठक दिनांक 13 अगस्त 2017

आज दिनांक 13 अगस्त 2017 को स्वशासी योजनांतर्गत गठित वाणिज्य संकाय अध्ययन मण्डल की बैठक, विभागाध्यक्ष डॉ. रतन सूर्यवंशी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक की उपस्थिति इस प्रकार है —

1. डॉ. रतन सूर्यवंशी अध्यक्ष

2. डॉ. आर. एन. वर्मा सदस्य

3. डॉ. आशा यादव "

4. डॉ. बी. एल. अहिरवार " विषय विशेषज्ञ

5. डॉ. ए. एन. शुक्ला " "

6. डॉ. मनोज अग्निहोत्री " "

II. बैठक की कार्यवाही का विवरण निम्न प्रकार है —

1. सर्वप्रथम अध्यक्ष द्वारा उपस्थित महानुभावों का शाब्दिक स्वागत किया गया।

2. बैठक की कार्यसूची के बिंदु क्रं. 01 के परिप्रेक्ष्य में गतवर्ष की कार्यवाही की पुष्टि की गई।

3. कार्यसूची के बिंदु क्रं. 02 के परिप्रेक्ष्य में विचारोपरांत निर्णय लिया गया कि स्नातक स्तर पर म.प्र. शासन उ. शि. विभाग द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम यथावत लागू किया जाये तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ओपन वि.

Scanned with CamScanner

ग्वालियर द्वारा अनुमोदित एवं स्वीकृत पाठ्यक्रम अपनाया जाये।

4. कार्यसूची के बिंदु क्रं. 03 के परिप्रेक्ष्य में निर्णय लिया गया कि सी.सी.ई. स्तरीय हो तथा यथासंभव लिखितपरीक्षा के रूप में सम्पन्न कराई जाये।

5. कार्यसूची के बिंदु क्रं. 04 के संबंध में विचारोप निर्णय लिया गया कि पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अन्य अकादमिक गतिविधियां भी सम्पन्न हो।

6. कार्यसूची के बिंदु क्रं. 05 के संबंध में विभागाध्य को अधिकृत किया गया।

7. कार्यसूची के बिंदु क्रं. 06 के संबंध में निम्नानुसार सुझाव दिये गये –

(अ) वाणिज्य संकाय में रोजगारमूलक पाठ्यक्रम प्रा० किये जाने हेतु प्रयास किया जायें।

(ब) छात्र/छात्राओं को वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत उपलब्ध कॅरियर अवसरों की जानकारी प्रदान की जाये।

(स) छात्र/छात्राओं को लेखांकन विषयों के अं अधिक से अधिक प्रेक्टिकल हेतु प्रोत्साहि किया जाये।

वाणिज्य विभाग

आज दिनांक 30/07/2018 को स्वशासी योजनान्तर्गत गठित वाणिज्य अध्ययन मण्डल की बैठक डॉ. रतन सूर्यवंशी प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थिति इस प्रकार रही -

1) डॉ॰ रतन सूर्यवंशी प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
2) डॉ॰ आर॰ एन॰ वर्मा सह- प्राध्यापक —
3) डॉ॰ एम॰ डी॰ सोमानी प्राध्यापक वाणिज्य — सदस्य
4) डॉ॰ बी॰ एम॰ एस॰ भदौरिया प्राध्यापक वाणिज्य -
5) डॉ॰ पी॰ के॰ बंसल प्राध्यापक वाणिज्य -
6) डॉ॰ रामभिलन केवट अतिथि विद्वान -
7) डॉ॰ आशा यादव अतिथि विद्वान -
8) श्री अजय माली अतिथि विद्वान -

बैठक की कार्यवाही का विवरण इस प्रकार है =

1) उपस्थित महानुभावों का शाब्दिक स्वागत किया।
2) विगत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई।
3) विचारोपरांत यह निर्णय लिया गया कि स्नातक स्तर पर शासन द्वारा स्वीकृत एकीकृत पाठ्यक्रम लागू किया जाये। इस क्रम में बी॰ कॉम॰ प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष (वार्षिक प्रणाली) तथा बी॰ पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर हेतु म॰ प्र॰ शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया गया।
4) विचारोपरांत यह निर्णय लिया गया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु जीवाजी विश्व॰ ग्वालियर द्वारा महाविद्यालयों हेतु अनुमोदित पा

क्रम को पूर्ववत लागू किया जाये।

5) सीसीई के संबंध में यह निर्णय लिया गया कि यह स्तरीय होना चाहिए तथा पद्धति ऐसी हो जिसका कि अभिलेख संधारित हो सके ताकि किसी प्रकार की कठिनाई उपस्थित न हो। यह भी निर्णय लिया गया कि राज्य शासन द्वारा अनुमोदित सीसीई प्रणालियों के अतिरिक्त अन्य कोई अच्छी प्रणाली संस्थान में हो तो उसे भी लागू किया जा सकता है।

6) परीक्षक पैनल हेतु विभागाध्यक्ष को अधिकृत किये जाने का निर्णय लिया गया।

7) बैठक में यह सुझाव भी दिया गया कि विषय की अद्यतन जानकारी से अवगत बने रहने के लिए बाह्य विशेषज्ञों के व्याख्यान कराये जायें। व्याख्यान कैरियर काउंसलिंग के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हों तो बेहतर होगा।

8) अन्त में अन्य कोई विषय न होने से सभी को धन्यवाद देते हेतु बैठक समाप्त घोषित की गई है।

Scanned with CamScanner

वाणिज्य विभाग

आज दिनांक 27/07/2019 को स्वशासी योजनान्तर्गत गठित वाणिज्य संकाय अध्ययन मण्डल की बैठक डॉ. रतन सूर्यवंशी प्राध्यापक एवं विभाग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थिति इस प्रकार रही —

1.- डॉ. रतन सूर्यवंशी - अध्यक्ष
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

2. - डॉ. एम. डी. सोमानी - सदस्य
प्राध्यापक

3. - डॉ. वी. एम. एस. भदौरिया - सदस्य
प्राध्यापक

4.- डॉ. रामभिलन केवट - सदस्य
अतिथि विद्वान (शासन)

5. - डॉ. आशा यादव - सदस्य
अतिथि विद्वान

6 - श्री अजय माली - सदस्य
अतिथि विद्वान

बैठक की कार्यवाही एवं विवरण इस प्र

1. - सर्वप्रथम उपस्थित महानुभावों का शब्दि

स्वागत अभिनंदन किया गया ।

2.- विगत बैठक की कार्यवाही को पढ़कर सुनाया गया एवं पुष्टि की गई ।

3- विचारोपरांत निर्णय लिया गया स्नातक स्तर पर राज्य शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम अपनाया जायेगा ।

4- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सम्बंध में निर्णय लिया गया कि जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम अपनाया जावे । यदि कोई संशोधन होता है तो उसे मान्य किया जा कर मान्य किया जावे ।

5- स्नातक स्तर पर राज्य शासन की नीति अनुसार आंतरिक मूल्यांकन किया जाना है इस हेतु विभागाध्यक्ष को सुविधानुसार निर्णय लेकर विद्यार्थियों के आन्तरिक मूल्यांकन के लिये अधिकृत किया जाता है ।

6- स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार C.C.E की व्यवस्था गतवर्ष के अनुसार यथावत रखी जाने का निर्णय लिया गया है ।

Scanned with CamScanner

7.- स्नातक अंतिम वर्ष में अप्रत्यक्ष कर के स्थान पर वस्तु एवं सेवा कर तथा सीमा शुल्क (GST) का प्रश्न-पत्र सत्र 2019-20 से लागू हुआ है जो कि वर्तमान में नवीन विषय होने से विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान देने के लिये कर विशेषज्ञों के विशेष व्याख्यान कराये जाने निर्णय लिया गया है।

8- प्रश्न-पत्रों की संरचना हेतु पैनल तैयार करने के लिये विभागाध्यक्ष को अधिकृत करने का निर्णय लिया गया है।

9- विद्यार्थियों को भारतीय अर्थव्यवस्था एवं वाणिज्य से सम्बंधित सम-सामयिक विषयों पर ज्ञान वर्धन हेतु बाह्य विशेषज्ञों को व्याख्यान कराने हेतु प्राचार्य की अनुमति से विभागाध्यक्ष को निर्णय लेने के लिये अधिकृत किया जाता है।

10- विद्यार्थियों केरियर काउंसलिंग हेतु विशेष व्याख्यान कराये जाने का निर्णय लिया गया।

Scanned with CamScanner